केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 184 मंगलवार 28 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

आईजी समेत 8 पुलिसकर्मियों को उम्र कैद

शिमला (आभा)। 2017 में शिमला जिले के कोटखाई में हुए गुड़िया दुष्कर्म व हत्याकांड में गिरफ्तार आरोपी सूरज की लॉकअप में हत्या के मामले में सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा हुई है। सीबीआई कोर्ट ने दोषियों से उनकी आखिरी अपील सुनी। मामले में दोषी आईजी आईपीएस जहूर हैदर जैदी व डीएसपी समेत आठ पुलिस जवानों को तीन अलग–अलग धाराओं के तहत उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। वहीं सभी दोषियों पर एक–एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

अधिवक्ता की हत्या से रोष, जाम लगाकर किया विरोध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, वकील चंद्रशेखर यादव की हत्या से भड़के साथी वकीलों ने सोमवार को न्याय मार्ग को जाम कर दिया। वकीलों ने पुलिस व प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वकील दोषियों को फांसी की सजा, एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने व हत्या में शामिल रहे शेष लोगों की अविलंब गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। वकीलों ने न्यायिक कार्य नहीं किया। न्याय मार्ग पर प्रदर्शन के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई।

चंद्रशेखर यादव का उस समय अपहरण कर लिया गया जब वह शनिवार शाम कचहरी से वापस घर जा रहे थे। अभियुक्तों ने उन्हें जख्मी हालत में वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गनेशपुर के पास फेंक दिया था। बाद में उनकी मौत हो गई। सोमवार को जब कचहरी खुली तो वकीलों में घटना को लेकर आक्रोश था। न्याय मार्ग पर दरी बिछाकर धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया। सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, महामंत्री मारुत कुमार शुक्ल, पूर्व महामंत्री शिव पूजन मिश्र, जनपद बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जवाहर लाल मिश्रा, महेश कुमार श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में वकील धरने में शामिल रहे।

उल्लास से मनाया गया गणतंत्र दिवसःडा. वी.के. वर्मा ने दिलाया शपथ

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । 76 वें गणतंत्र दिवस का पर्व उल्लास के साथ मनाया गया। शिक्षण संस्थाओं में ध्वज फहराने के साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रम हुये। पटेल एस. एम. एच. हॉस्पिटल एंड पैरामेडिकल कॉलेज गोटवा बस्ती में गणतंत्र दिवस के पर्व पर प्रबंधक एवं जिला चिकित्सालय बस्ती में आयुष चिकित्साधिकारी डॉ. वी.के. वर्मा ने झंडारोहण किया। कहा कि गणतंत्र की मजबूती के लिये देशवासियों को पूरी शक्ति के साथ दायित्व निभाने होंगे। उन्होने उपस्थित लोगों को देश की एकता अखण्डता के लिये कार्य करने हेतु शपथ दिलाया।

कहा कि भारत ने तेजी के साथ विभिन्न क्षेत्रों प्रगति किया है। सबल गणतंत्र हम सबका सामूहिक दायित्व है। इसी संकल्प से भारत विकास की

यात्रा में गतिमान होगा। इसी कम में गौतम बुद्ध मुराली देवी बालिका इण्टर कालेज गोटवा, गौतम बुद्ध विद्या मंदिर गोटवा कटया, वी.के. वर्मा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस बसुआपार, श्री श्यामलाल वर्मा पूर्व माध्यमिक विद्यालय लौहरौली तिलकपुर, गौतम बुद्ध कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय गोटवा में ध्वजारोहण के साथ गणतंत्र दिवस का पर्व मनाया गया। कार्यक्रमों में मुख्य रूप से डा. आलोक रंजन, डा. आर. एन. चौधरी, डा. चन्दा सिंह, डा. मनोज मिश्र, आराधना पाण्डेय, जे.एन. वर्मा, लालजी यादव, पूजा, माया, जे.एन. वर्मा, शालू, गोल्डी, एस.के. दूबे, राजेश सिंह, श्रवण कुशवाहा, उत्कर्ष दूबे आदि शामिल रहे।

एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम में सम्मानित हुई विभूतियां

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । 76 वे गणतंत्र दिवस पर समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा प्रेस क्लब सभागार में 'एक शाम शहीदों के नाम' कवि सम्मेलन और सहभोज कार्यक्रम का आयोजन समिति अध्यक्ष जय प्रकाश गोस्वामी के संयोजन में आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि अमर शहीदो के सपनों को साकार करना हम सबकी जिम्मेदारी है। भारतीय गणतंत्र अपनी विविधता में निरन्तर चुनौतियों के बीच विकसित हो रहा है। 76 वां गणतंत्र दिवस हमारे अमर शहीदों के सपनों को साकार करे यह हब सबका लक्ष्य होना चाहिये।

विशिष्ट अतिथि अंकुर वर्मा ने कहा कि देश को आजाद कराने के लिये जिन लोगों ने अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया उन्हें सदैव याद रखना होगा। उन्ही की प्रेरणा से भारतीय गणतंत्र लगातार विकसित हो रहा है।

वरिष्ठ साहित्यकार त्रिभुवन प्रसाद मिश्र ने अध्यक्षता करते हुये कहा कि हमे अमर बलिदानियों को सदैव याद रखना होगा। भारतीय गणतंत्र का

दायित्व है कि हम उनके अधूरे स्वप्न को साकार करें। कार्यक्रम का संचालन करते हुये वरिष्ठ कवि डॉ. रामकृष्ण लाल जगमग ने रचनाओं के माध्यम से शहीदों को नमन् किया। इस अवसर पर समाचार पत्र वितरक जन कल्याण सेवा समिति द्वारा डा. वी.के. वर्मा, अंकुर वर्मा, डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' त्रिभुवन प्रसाद मिश्र, एडवोकेट विजय प्रकाश गोस्वामी को उनके योगदान के लिये सम्मानित किया गया। कवियों ने राष्ट्रप्रेम से सम्बंधित काव्य पाठ कर संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कौशल कुमार पाण्डेय, डा. आलोक रंजन, श्याम प्रकाश शर्मा, पेशकार मिश्र, रहमान अली रहमान, रमेश गिरी, डा. नवीन श्रीवास्तव, शिवेन्द्र सिंह, मो. अनीस, विवेक गिरोत्रा, विवेक मिश्र, तौव्वाब अली, जगदम्बा प्रसाद भायुक, सामईन फारूकी, आदित्यराज, चन्द्र मोहन लाल श्रीवास्तव, ब्रम्हसेवक पाण्डेय, दीपक सिंह प्रेमी, हरिकेश प्रजापति, शीतल प्रसाद यादव, अरविन्द प्रजापति, प्रमोद द्विवेदी, अयोध्या प्रसाद, आदर्श गोस्वामी, सौरभ गोस्वामी, गौरव गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

चन्द्र प्रकाश अध्यक्ष, सोम सुन्दरम मंत्री बनेःद्विवार्षिक अधिवेशन में गूंजा कर्मचारी हितों का मुद्दा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद से सम्बद्ध उत्तर प्रदेश गन्ना पर्यवेक्षक संघ का द्विवार्षिक अधिवेशन गन्ना विकास परिषद के परिसर में सम्पन्न हुआ। चुनाव अधिकारी राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मंत्री तौलू प्रसाद की देख रेख में हुये चुनाव में सर्व सम्मत से चन्द्र प्रकाश राव अध्यक्ष, अनूप पाण्डेय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, सोम सुन्दरम मंत्री, संकेत सिंह कोषाध्यक्ष, राम सजीवन लेखा पर्यवेक्षक घोषित किये गये।

पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाते हुये राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने कहा कि पिछले एक दशक से कर्मचारियों के अधिकार एक–एक कर छीने जा रहे हैं। कोरोना काल के दौरान का डेढ वर्ष का महंगाई भत्ता नहीं मिला और अनेक भत्ते व सुविधाओं में कटौती कर लिया गया। पुरानी पेंशन की मांग को लगातार अनसुना किया जा रहा है। ऐसी

स्थिति में हमें एकजुटता से अपने अधिकार हासिल करने होंगे। संचालन अर्जुन प्रसाद ने किया।

द्विवार्षिक अधिवेशन में वक्ताओं ने कहा कि गन्ना पर्यवेक्षकों की कीटनाशक दवा के वितरण की डियूटी लगा दी गई है जबकि गन्ना पर्यवेक्षकों के कई पद रिक्त है। एसीपी, स्थायीकरण जैसी समस्यायें लम्बित है इसका निराकरण आवश्यक है। अधिवेशन में मुख्य रूप से ट्यूबेल टेक्निकल एसोसिएशन के मंत्री सन्तोष राव, पंचायती राज ग्रामीण सफाई कर्मचारी संघ के प्रान्तीय उपाध्यक्ष राजेश कुमार, संजीव कुमार सिंह, बादशाह सिंह, जितेन्द्र कुमार, अरुण वर्मा, अमर बहादुर सिंह, रामाशीष चौरसिया, उपेन्द्र सिंह, दृष्टि मौर्य, सतीश यादव, अंशू यादव, रवि चौधरी, नित्यानन्द मिश्र, दिलीप यादव, पवन सिंह, संदीप कुमार, कपिल, विवेकानन्द सिंह आदि उपस्थित रहे।

डायट में पांच दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के समागार में बेसिक शिक्षकों का डिजिटल लिटरेसी, कोडिंग और कंप्यूटेशनल थिंकिंग और माध्यमिक शिक्षकों का नेतृत्व क्षमता संवर्धन का पांच दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार को शुरू हुआ। इसमें बेसिक के छः ब्लॉकों के 236 शिक्षक और माध्यमिक के 42 प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ डायट प्राचार्य संजय कुमार शुक्ल ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। बेसिक

शिक्षकों को संबोधित करते हुए डायट प्राचार्य ने कहा कि डिजिटल लिटरेसी प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्रों में डिजिटल माध्यमों से सुरक्षित तरीके से इंटरनेट का उपयोग के साथ ही बदलते परिदृश्य में हो रहे तकनीकी परिवर्तनों से परिचित कराना है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से हुई पीएम मोदी की बात

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की है। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद पीएम मोदी की उनसे यह पहली वार्ता है। दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा हुई है। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी चुनावों में शानदार जीत हासिल करने के बाद डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की थी। राष्ट्रपति ट्रंप की जीत पर पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा था कि मेरे मित्र, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई, उन्हें उनकी शानदार जीत पर बधाई दी।

बाबा साहब की प्रतिमा तोड़ने, संविधान जलाने के मामले में राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को भारतीय दलित वर्ग संघ के राष्ट्रीय सचिव साधू शरन आर्य ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। मांग किया कि गणतंत्र दिवस के दिन पंजाब के अमृतसर में बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर के प्रतिमा को खण्डित करने, भारतीय संविधान को जलाने के मामले में दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई किया जाय। ज्ञापन में कहा गया है कि महाकुंभ में साधू सन्तों द्वारा हिन्दू राष्ट्र का संविधान लाये जाने विषयक मामले की जांच कराकर इसे संज्ञान में लिया जाय जिससे देश विघटन की ओर न बढने पाये।

ज्ञापन देने के बाद साधू शरन आर्य ने कहा कि सरकार स्पष्ट करे कि देश संविधान से चलेगा या चंद लोग हिन्दू राष्ट्र का नारा देकर वातावरण में भय पैदा करते रहेंगे। यह स्थितियां देश के लिये खतरनाक है। अच्छा हो सरकार जागे और विघटनकारी तत्वों पर लगाम लगाये। ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से अर्जक समाज के राष्ट्रीय संयोजक गौरीशंकर, भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव, मुकुमुदीन, शिवा जी पासवान, अजय आर्य, हेमन्त कुमार, अजय कुमार, रोहित लाल, सुनील कुमार आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 28 जनवरी 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

लोकतंत्र, मतदाता और तंत्र

15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस–2025 की थीम है ''वोट जैसा कुछ नहीं, वोट जरूर डालेंगे हम।'' ऐसा करके ही लोकतंत्र को मजबूती दी जा सकती है। पिछले कुछ वर्षों में इसने मतदान के अधिकार के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। विशेषतः युवा मतदाताओं को पंजीकृत करने, उन्हें मताधिकार का उपयोग करने के लिये अग्रसर और प्रेरित करने में इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका बनी है। चुनाव आयोग इस मंच का उपयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों में योगदान देने वाले अधिकारियों, हितधारकों और संगठनों के प्रयासों को मान्यता देने के लिए भी करता है। यह लोकतांत्रिक मील का पत्थर बना है और भारत के लोकतंत्र के 78 वर्षों की यात्रा और चुनावी अखंडता के प्रति इसकी प्रतिबद्धता के लिये इसे जश्न रूप में मनाया जाता है।

किसी भी राष्ट्र के जीवन में चुनाव सबसे महत्त्वपूर्ण घटना होती है। यह एक यज्ञ होता है। लोकतंत्र प्रणाली का सबसे मजबूत पैर होता है। राष्ट्र के प्रत्येक वयस्क के संविधान प्रदत्त पवित्र मताधिकार प्रयोग का एक दिन। इसलिये इस दिन भारत के प्रत्येक नागरिक को अपने राष्ट्र के प्रत्येक चुनाव में भागीदारी की शपथ लेनी चाहिए, क्योंकि भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश के भावी भविष्य की नींव रखता है और उन्नत राष्ट्र के निर्माण में भागीदारी निभाता है। सत्ता के सिंहासन पर अब कोई राजपुरोहित या राजगुरु नहीं बैठता अपितु जनता अपने हाथों से तिलक लगाकर नायक चुनती है। लेकिन जनता तिलक किसको लगाये, इसके लिये सब तरह के साम–दाम–दंड अपनाये जा रहे हैं। हर राजनीतिक दल अपने लोकलुभावन वायदों एवं घोषणाओं को ही गीता का सार व नीम की पत्ती बता रहे हैं, जो सब समस्याएं मिटा देगी तथा सब रोगों की दवा है। लेकिन ऐसा होता तो आजादी के अमृतकाल तक पहुंच जाने के बाद भी देश गरीबी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अफसरशाही, बेरोजगारी, अशिक्षा, स्वास्थ्य समस्याओं से नहीं जुझता दिखाई देता। ऐसी स्थिति में मतदाता अगर बिना विवेक के आंख मूंदकर मत देगा तो परिणाम उस उक्ति को चरितार्थ करेगा कि "अगर अंधा अंधे को नेतृत्व देगा तो दोनों खाई में गिरेंगे।" इसलिये यह दिवस मतदाता को जागरूक करने के साथ प्रशिक्षित भी करता है।

भारतीय लोकतंत्र दुनिया का विशालतम लोकतंत्र है और समय के साथ परिपक्व भी हुआ है। बावजूद इसके लोकतंत्र अनेक विसंगतियों एवं विषमताओं का भी शिकार है। मुख्यतः चुनाव प्रक्रिया में अनेक छिद्र हैं, सबसे बड़े लोकतंत्र का सबसे बड़ा छिद्र चुनावों की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता को लेकर है। खरीद–फरोख्त, नशा एवं मतदाताओं को लुभाने एवं आकर्षित करने का आरोप भी लोकतंत्र पर बड़े दाग हैं। चुनाव सुधारों की तरफ हम चाह कर भी बहुत तेजी से नहीं चल पा रहे हैं। चुनाव आयोग जैसी बड़ी और मजबूत संस्था की उपस्थिति के बाद भी चुनाव में धनबल, बाहुबल एवं सत्ताबल का प्रभाव कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। ये तीनों ही हमारे प्रजातंत्र के सामने सबसे बड़ा संकट है। इन सब संकटों से मुक्ति के लिये मतदाता की जागरूकता की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है।

लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पहलू चुनाव है, लोकतंत्र में स्वस्थ मूल्यों को बनाये रखने के साथ उसमें सभी मतदाताओं की सहभागिता को सुनिश्चित करना जरूरी है। इसके लिये चुनाव आयोग का आरईवीएम के प्रयोग का प्रस्ताव सैद्धांतिक तौर पर एक सराहनीय एवं जागरूक लोकतंत्र की निशानी है। क्योंकि आजादी के बाद से ही जितने भी चुनाव हुए है, उनमें लगभग आधे मतदाता अपने मत का उपयोग अनेक कारणों नहीं कर पा रहे हैं, ऐसा हर चुनाव में होता आया है। इसलिए लंबे समय से मांग उठती रही थी कि ऐसे लोगों के लिए मतदान का कोई व्यावहारिक एवं तकनीकी उपाय निकाला जाना चाहिए। उसी के मद्देनजर निर्वाचन आयोग के द्वारा घरेलू प्रवासियों के लिए आरवीएम का प्रस्ताव एक सूझबूझभरा एवं दूरगामी सोच एवं विवेक से जुड़ा उपक्रम है। जरूरत है राजनीतिक दल ऐसे अभिनव उपक्रम का विरोध करने या अवरोध खड़ा करने की बजाय उसका अच्छाइयों को स्वीकार करते हुए स्वागत करें।

इनदिनों दिल्ली विधानसभा चुनाव की सरगर्मियां उग्रता पर है और इसमें मुफ्त की रेवडियां बांटने की होड़–सी लगी है। लोकतन्त्र में यह मुफ्त बांटने की मानसिकता एक तरह का राजशाही का अन्दाज ही कहा जायेगा जो लोकतंत्र के मूल्यों के विपरीत है। लोकतंत्र में कोई भी सरकार आम जनता की सरकार ही होती है और सरकारी खजाने में जो भी धन जमा होता है वह जनता से वसूले गये शुल्क या टैक्स अथवा राजस्व का ही होता है। राजशाही के विपरीत लोकतन्त्र में जनता के पास ही उसके एक वोट की ताकत के भरोसे सरकार बनाने की चाबी रहती है। दरअसल, जनता के हाथ की इस चाबी को अपने पक्ष में घुमाने एवं जीत का ताला खोलने के लिये यह मुफ्त की संस्कृति एक राजनीतिक विकृति के रूप में विकसित हो रही है। वृद्धों को मुफ्त धार्मिक यात्रा–पेंशन, युवाओं को रोजगार देने का वायदा, महिलाओं को नगद राशि एवं मुफ्त बस सफर हो या बिजली–पानी या गैस सिलेंडर। हालात यह हो गए है कि इस मामले में लगभग सभी पार्टियों के बीच एक होड़ जैसी लग गई है कि मुफ्त के वादे पर कैसे मतदाताओं से अपने पक्ष में लुभा कर मतदान कराया जा सके। इससे राज्यों का आर्थिक संतुलन लड़खड़ाता है या वे कर्ज में डूबती है तो इसकी चिन्ता किसी भी दल की सरकार को नहीं है। इस बड़े संकट से उबारने का काम मतदाता ही कर सकता है, वह बिना प्रलोभन, लोभ एवं मुफ्त की सुविधाओं के निष्पक्ष मतदान के लिये आगे आये।चुनाव एक साथ कराने का विचार बहुत नया हो, ऐसा भी नहीं है। पिछली सरकारों में भी समय–समय पर इस पर चर्चाएं होती रही हैं। लेकिन इस व्यवस्था को लागू करने को लेकर अनेक संवैधानिक समस्याएं भी और कुछ बुनियादी सवाल भी है। इन सबका समाधान होना ही चाहिये।

सनकी नेतृत्व मानवता के लिये खतरा

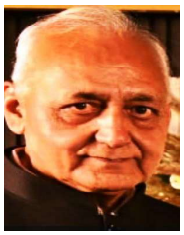

– तनवीर जाफरी –

कहा तो यही जाता है कि पृथ्वी पर पाये जाने वाले सभी प्राणियों में प्रकृति ने सर्वोत्तम प्राणी के रूप में केवल मानव की ही उत्पत्ति की है। प्रवचन,सत्संग,धर्म व अध्यात्म की बातें,अच्छी बुराई के भेद,करुणा, प्रेम,दया क्षमा, परमार्थ, परोपकार,सेवा–सत्कार जैसी बातें केवल मानव के मुंह से ही निकलती सुनाई देती हैं। यह मानव ही है जो कि विपदा के समय एक दूसरे का साथ देता है। गरीब, असहाय, भूखे,प्यासे,कमजोर अबला की मदद करने को आतुर रहता है। परन्तु सहस्त्राब्दियों से लिखा जाने वाला इतिहास यहाँ तक कि इतिहास लेखन से पूर्व की पौराणिक कथाओं से भी यही पता चलता है कि इन्हीं मानव में हर दौर में अनेक सनकी शासक भी पैदा हुये। अनेक शासक ऐसे हुये जिन्होंने स्वयं को ईश्वर मनवाने तक की कोशिश की जब कि कुछ ऐसे भी हुये जो क्रूरता की सभी हदों को पार कर गये। परन्तु उसका नतीजा यही है कि आज इतिहास उन बदनाम शुदा सनकी शासकों को या तो सनकी शासकों की सूची में रखता है या तानाशाहों अथवा क्रूर शासकों के रूप में उन्हें याद किया जाता है। इनमें एडोल्फ हिटलर जैसे तानाशाह भी हुये हैं जिसकी क्रूरता व तानाशाही के चलते जर्मनी के लोग आज भी अपने देश पर लगे श्हिटलरश् रुपी धब्बे से शर्मिंदगी महसूस करते हैं। एक हिटलर ही नहीं बल्कि इस दुनिया ने स्टेलिन,मुसोलिनी,ईदी अमीन,किम जोंग ईल,मुअम्मार गद्दाफी,सद्दाम हुसैन,जियाउलहक जैसे अनेक शासक देखे जिन्होंने अपने सनकी व जिद्दी स्वभाव के अनुरुप शासन किया। परन्तु प्रायः उनके शासन करने का सनकी अंदाज न केवल उन शासकों व तानाशाहों की अपनी ही जान का दुश्मन बना बल्कि ऐसे कई देश बर्बादी व तबाही की कगार पर भी पहुँच गये और इन्हीं के गलत फैसलों के चलते लाखों बेगुनाह लोग मारे भी गये।

आज के दौर में भी दुनिया के के कई देशों पर ऐसे ही सनकी लोगों का राज है। नतीजतन दुनिया युद्ध,तनाव,संबंधों में कड़वाहट व अविश्वास, अनिश्चितता जैसे वातावरण में जी रही है। विश्व के अनेक शासक सत्ता में हमेशा बने रहने के लिये तरह तरह की युक्तियाँ इस्तेमाल कर रहे हैं। कोई संविधान बदल कर आजीवन शासन करना चाह रहा है तो कोई धर्म जाति व क्षेत्रवाद का जहर बोकर अपनी सम्प्रदायिकता व जातिवाद की फसल तैयार कर रहा है। कोई अपने देशवासियों को ऐसे सपने दिखाता है जिससे लगे कि इससे पहले तो इतना बड़ा देशभक्त तो कोई पैदा ही नहीं हुआ। हद तो यह है कुछ सनकी लोग स्वयं को भगवन का अवतार कहने से भी नहीं हिचकिचाते। परिणामस्वरूप जनसमस्याओं व देश की प्रगति के तमाम मुद्दे इसी तरह की फुजूल की भावनात्मक बातों में उलझकर रह जाते हैं।

अमेरिका के लोगों ने भी एक बार फिर 47वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के हाथों में देश की बागडोर सौंपी है। डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद संभालते ही अपने पूर्ववर्ती जो बाइडन द्वारा बनाये गये करीब 80 नियम–कानूनों को निष्प्रभावी बनाने के दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं। शपथ लेने के बाद जिन दस्तावेजों पर ट्रंप ने सबसे पहले हस्ताक्षर किए उनमें बढ़ते वैश्विक तापमान से निपटने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए अहम पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका के अलग होने वाले आदेश पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इसी तरह एक विवादित फैसला ट्रंप ने यह किया है कि उन की पराजय के समय 6 जनवरी 2021 को कैपिटल हिल में जो हिंसा हुई थी ट्रंप ने उस हिंसा में नामजद अपने लगभग 1500 समर्थकों की सजा माफ करने की घोषणा कर दी। इनमें धुर–दक्षिणपंथी समूह ओथ कीपर्स और प्राउड बॉयज के सदस्य भी हैं। इनके सदस्य कैपिटल हिंसा से जुड़े केस में देशद्रोह की साजिश जैसे मामलों के दोषी करार दे दिए गए हैं। खबर तो यह भी है कि न केवल इन अपराधियों को मुआफ किया गया है बल्कि उन लोगों पर मुकद्दमा चलने की भी खबर है जिन्होंने इन अपराधियों पर केस दर्ज किया था। इससे बड़ा सत्ता का दुरुपयोग और पक्षपातपूर्ण फैसला और क्या हो सकता है ?

इसके पहले चुनाव जीतने के बाद डोनाल्ड ट्रंप कनाडा और ग्रीनलैंड को अमेरिकी राज्य बनाने की बात कह चुके हैं। जबकि पूर्व प्रधानमंत्री ट्रुडो सहित अनेक विपक्षी नेता भी कह चुके हैं कि ऐसा होना मुमकिन ही नहीं है कि कनाडा 51वें राज्य के रूप में अमेरिका का हिस्सा बन जाये। गत दिसंबर में भी ट्रंप कई बार कनाडा को अमेरिका का 51 वां राज्य और ट्रूडो को उसका गवर्नर बता चुके थे। यहां तक कि क्रिसमस के बधाई संदेश में भी ट्रंप ने ट्रुडो को कनाडा का गवर्नर बताया था। परन्तु इस तरह की बे सिर पैर की बात कर ट्रंप ने न केवल अपनी धुर दक्षिणपंथी राजनैतिक सोच का परिचय दिया है बल्कि दुनिया को यह सोचने के लिये भी मजबूर कर दिया है कि जो अमेरिका, कनाडा जैसे अपने सैन्य,व्यवसाय व ऊर्जा जैसे अनेक क्षेत्रों में भागीदारी निभाने वाले निकटस्थ देश पर अपनी बुरी नजरें गड़ा सकता है उस अमेरिका से दुनिया के दूसरे देश आखिर क्या उम्मीद करें ? इसी तरह ट्रंप ने अपने शुरुआती फैसलों में मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर श्अमेरिका की खाड़ीश करने का आदेश दिया है। इसी आदेश के अंतर्गत अलास्का के माउंट देनाली का नाम बदलकर अमेरिका के 25वें राष्ट्रपति विलियम मैकिन्ली के सम्मान में माउंट मैकिन्ली करने का भी निर्देश दिया गया है। ट्रंप ने ये भी घोषणा कर दी है कि अमेरिका में केवल दो जेंडर को मान्यता होगी– पुरुष और महिलाएं।

डोनाल्ड ट्रंप ने पनामा नहर को 'एक मूर्खतापूर्ण तोहफाश्श बताते हुये दावा किया है कि अनामा नहर को चीन संचालित कर रहा है। श्श ट्रंप ने कहा, 'हमने इसे चीन को नहीं दिया। हम इसे वापस लेंगे। इसी तरह ट्रंप द्वारा लिया गया एक और सबसे दुर्भाग्यपूर्ण फैसला है श्अमेरिका का डब्ल्यूएचओ से अलग होना। यह खबर भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के स्वास्थ्य जगत के लिए एक बुरी खब्बर है? ट्रंप ने सत्ता संभालते ही कह दिया है कि अमेरिका डब्ल्यूएचओ से अलग हो जाएगा। अमेरिका के पीछे हटने से डब्ल्यूएचओ की ओर से दी जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता पर असर होगा, जिसके लिए यह संगठन अपने बनने के साल 1948 से जाना जाता रहा है। इसी आदेश में ट्रंप ने बाइडन के कार्यकाल के दौरान आप्रवासियों के लिए लाई गई कई योजनाओं पर भी रोक लगा दी है। जिससे दुनिया के कई देशों में बेचैनी बढ़ गयी है। जिन अप्रवासियों का अमेरिका के निर्माण में अभूतपूर्व योगदान है ट्रंप उन्हें अमेरिका से निष्कासित करने पर तुले हैं। कहना गलत नहीं होगा कि दुनिया के जिस किसी भी देश में इस तरह का संकीर्ण व श्सनकी नेतृत्व श है तो वह केवल उस देश के लिये ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिये खतरा है।

दुलहन की आड़ में रोहिंग्याओं का मकड़जाल

–रामस्वरूप रावतसरे–

बांग्लादेश और म्यांमार में पहले ही रोहिंग्या मुसलमानों की स्थिति सही नहीं है। हाल में बदले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद तो हालात और भी खराब हुए हैं। ऐसे में अच्छे जीवन की तलाश में रोहिंग्या महिलाएं एक ऐसे मकड़जाल में फंसती जा रही हैं, जिनसे बाहर निकलना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट में ऐसी कुछ महिलाओं की आपबीती सुनी। उनकी आपबीती रोंगटे खड़े करने वाली है। महिला बताती है, उसे कहा गया कि बंगाल में नौकरी दिलाएंगे। फिर बस और ट्रेन से लंबा सफर कर कश्मीर ले आए। अपने से तीन गुना उम्र के शख्स के साथ शादी करा दी गई। वापस जाने की बात करो तो पति बहुत मारता है। तस्करों के चंगुल में फंसी ऐसी ही दूसरी महिला ने बताया कि उसे तस्करों ने बंधक बनाकर रखा। वॉशरूम तक जाने नहीं दिया। जमकर पीटा गया और खूब पैदल चलाया गया।

जम्मू कश्मीर में जिस योजनाबद्ध तरीके से रोहिंग्याओं को बसाया जा रहा है, जल्दी से कोई एतराज भी नहीं कर सकता। जानकारी के अनुसार जम्मू में 52 साल के अफजल की शादी के लिए उसका परिवार लंबे समय से लड़की ढूंढने में लगा था लेकिन दुल्हन नहीं मिल रही थी। कारण अफजल का मानसिक तौर पर कमजोर होना था। उसकी स्थिति इस प्रकार की बताई जा रही है कि वो खुद उठकर पानी भी नहीं पी सकता। अचानक से एक दिन पता चला कि उसकी शादी हो गई। बातें खुलीं तो पता चला कि लड़की रोहिंग्या है। 20,000 में कोई उसे यहां बेच गया। ऐसे ढेरों मामले जम्मू–कश्मीर में देखने को मिल रहे हैं।

कोलकाता में रेलवे पुलिस ने अब्दुल रहमान नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया। वह बांग्लादेश का रोहिंग्या मुस्लिम है और कई साल से कश्मीर में मजदूरी करता है। उसके साथ करीब 12–12 साल की दो बच्चियां थीं जिन्हें वो अपने साथ कश्मीर ले जा रहा था। ये बच्चियां खुशकिस्मत थीं जो पुलिस को मनक लग गईं लेकिन आए दिन न जाने ऐसी कितनी ही रोहिंग्या लड़कियों को अवैध तरीके से जम्मू–कश्मीर समेत देश के कई राज्यों में लाकर बिना उनकी मर्जी के जबरदस्ती की ''दुल्हन'' बना दिया जा रहा है।

जम्मू कश्मीर में यह रैकेट लंबे समय से चल रहा है। पहले बांग्लादेश और अब म्यांमार से भी रोहिंग्या लड़कियों को झूठे वादे और सपने दिखाकर यहां लाया जाता है। बाद में उनकी शादी उनकी उम्र से दोगुने शख्स से करा दी जाती है। यही नहीं, दिव्यांग या मानसिक रूप से अक्षम लोग, जिनकी शादी जम्मू–कश्मीर में नहीं हो पाती है, वो भी इस अवैध तरीके से दुल्हन खरीद रहे हैं। पिछले महीने ही जम्मू कश्मीर पुलिस ने ऐसे कई नेटवर्क की पहचान की थी जो एनजीओ की ओट में यह काम कर रहे थे। दिसंबर, 2024 तक प्रशासन के मुताबिक कम से कम 24 रोहिंग्या लड़कियां जम्मू में और 124 कश्मीर में ''दुल्हन'' बन चुकी हैं। जानकारों की मानें तो जम्मू–कश्मीर के लिए यह एक खतरनाक स्थिति हो सकती है जिसका पाकिस्तान फायदा उठा सकता है।

जम्मू में 15 साल पहले 200 रोहिंग्या मुसलमान थे। अब 11,000 से ज्यादा रोहिंग्या होने का अनुमान है। आर्मी कैंप, रेलवे स्टेशन, पुलिस लाइन जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के पास भी इनकी बस्तियां हैं। मानव तस्करी, ड्रग्स तस्करी और कई अन्य अपराधों में रोहिंग्या के शामिल होने के आरोप लगते रहे हैं। जानकारों का कहना है कि यहां कई लड़कियां अच्छी लाइफ की तलाश में हमेशा के लिए अपनी जिंदगी नरक बना चुकी हैं। बांग्लादेश और म्यांमार में रोहिंग्या बस्तियों में एनजीओ की आड़ में तस्कर लड़कियों की पहचान करते हैं। कम उम्र की लड़कियों पर इनकी नजर ज्यादा रहती है। इन्हें झांसा दिया जाता है कि कोलकाता, गुवाहाटी जैसे शहरों में आपको काम दिलाया जाएगा। फिर बस–ट्रेन के जरिए चोरी–छिपे इन्हें जम्मू–कश्मीर या अन्य राज्यों में ले जाया जाता है। फिर इन लड़कियों को बेच दिया जाता है।

मानव तस्करी में लगे लोग हर जगह फैले हैं। खासतौर से जहां रोहिंग्या मुसलमानों की बस्ती हैं। तस्कर लड़कियों को पश्चिम बंगाल, असम और त्रिपुरा के अवैध तरीके से रास्ते भारत में लाते हैं। फिर यहां से देश के अलग–अलग राज्यों में इन्हें भेजा जाता है। असम पुलिस ने हाल ही में इसे लेकर चिंता जताई थी। पुलिस के मुताबिक रोहिंग्या खासतौर से जम्मू–कश्मीर, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद और केरल जाते हैं।

रोहिंग्या मुसलमान अवैध तरीके से राशन कार्ड से लेकर आधार कार्ड तक बनवा रहे हैं। जम्मू कश्मीर में अपनी लड़कियों की शादी कराकर भी रोहिंग्या वहां की नागरिकता हासिल करने की कोशिश में जुटे रहते हैं। पिछले दिसंबर में ही पुलिस को 61 से ज्यादा आधार कार्ड जम्मू में और 97 आधार कार्ड कश्मीर में मिले। ये सभी आधार कार्ड अवैध तरीके से बनवाए गए थे। जम्मू कश्मीर के पूर्व डीजीपी एस.पी.वैद के मुताबिक यहां के लोकल लोगों से रोहिंग्या लड़कियों की शादियां लंबे समय से हो रही हैं। कश्मीर से ज्यादा ये जम्मू में देखने को मिल रहा है। पूर्व डीजीपी एस. वैद्य के अनुसार यह स्थिति सही नहीं है। हमें इन्हें वापस भेजना चाहिए। भारत कोई धर्मशाला नहीं है। जम्मू–कश्मीर में रोहिंग्या की संख्या तेजी से बढ़ी है। हमें भी अमेरिका, यूरोप की तरह सख्त कदम उठाना चाहिए। खासतौर से यूएनएचआरसी की दखलअंदाजी पूरी तरह से बंद होनी चाहिए।

बांग्लादेश और म्यांमार में पहले ही रोहिंग्या मुसलमानों की स्थिति सही नहीं है। हाल में बदले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद तो हालात और भी खराब हुए हैं। ऐसे में अच्छे जीवन की तलाश में रोहिंग्या महिलाएं एक ऐसे मकड़जाल में फंसती जा रही हैं, जिनसे बाहर निकलना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट में ऐसी कुछ महिलाओं की आपबीती सुनी। उनकी आपबीती रोंगटे खड़े करने वाली है। महिला बताती है, उसे कहा गया कि बंगाल में नौकरी दिलाएंगे। फिर बस और ट्रेन से लंबा सफर कर कश्मीर ले आए। अपने से तीन गुना उम्र के शख्स के साथ शादी करा दी गई। वापस जाने की बात करो तो पति बहुत मारता है। तस्करों के चंगुल में फंसी ऐसी ही दूसरी महिला ने बताया कि उसे तस्करों ने बंधक बनाकर रखा। वॉशरूम तक जाने नहीं दिया। जमकर पीटा गया और खूब पैदल चलाया गया।

जानकारों की माने तो साल 2009 में पहली बार जम्मू–कश्मीर में रोहिंग्याओं का आना शुरू हुआ। देश में जो संख्या कभी 200 थी, वो अब 50,000 के पार हो चुकी है। अकेले जम्मू–कश्मीर में ही 11,000 से ज्यादा रोहिंग्या हैं। जम्मू कश्मीर में बसने वाला पहला रोहिंग्या सईद हुसैन था, जिसे 2009 में यहां की राज्य सरकार ने बसाया था। दिल्ली, हरियाणा, असम, महाराष्ट्र समेत कई राज्यों में रोहिंग्याओं की बढ़ रही संख्या चिंता का विषय है।

हिन्दू धर्म में वापसी

डॉ.शंकर सुवन सिंह

उत्तर प्रदेश में जौनपुर के डेहरी गांव में 36 मुस्लिम परिवारों ने अपने नामों में बदलाव करते हुए हिंदू सरनेम जोड़ लिया है। उनका दावा है कि उनके पूर्वज ब्राह्मण और क्षत्रिय थे, जिन्होंने करीब सात से आठ पीढ़ी पहले धर्म परिवर्तन किया था। उन्होंने बताया कि इस कदम का उद्देश्य अपनी जड़ों और पहचान से जुड़ना है।

इन परिवारों का मानना है कि विशाल भारत संस्थान ने उन्हें अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक जड़ों की ओर वापस लौटने के लिए प्रेरित किया। इनमें से एक परिवार के सदस्य नौशाद अहमद अब खुद को 'नौशाद अहमद दुबे' के नाम से पहचानते हैं। उनका कहना है कि उनके दोस्त उन्हें हमेशा पंडित जी कहकर बुलाते रहे हैं और अब उन्होंने भी अपने पूर्वजों की पहचान से जुड़ते हुए अपना नाम बदल लिया है।

कुछ महीने पहले जब असम में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू किया गया, तो इन परिवारों ने अपने पूर्वजों के बारे में और जानकारी जुटानी शुरू की। इस दौरान उन्हें पता चला कि उनके पूर्वज हिंदू थे और आजमगढ़ के मगराया गांव से डेहरी गांव में आकर बस गए थे। इसके बाद इन परिवारों ने अपने नाम के साथ 'दुबे' सरनेम जोड़ लिया। इन परिवारों का मानना है कि इस पहल से गांव में आपसी सौहार्द और एकता को बढ़ावा मिला है। डेहरी गांव में लगभग 5000 लोग रहते हैं, जिनमें से तीन हजार मुस्लिम परिवार हैं। इस पहल से समुदाय में सामंजस्य का वातावरण बना है।

गांव के नौशाद अहमद दुबे का कहना है कि उन्होंने दो साल पहले अपने नाम में 'दुबे' जोड़ने की शुरुआत की। वे बताते हैं कि विशाल भारत संस्थान के राजीव गुरुजी की प्रेरणा से उन्होंने यह कदम उठाया। अब वे जल्द ही जिला प्रशासन को पत्र देकर अपने दस्तावेजों में भी नाम में 'दुबे' जोड़वाने की योजना बना रहे हैं। वे यह भी कहते हैं कि इस बदलाव का उनके बच्चों पर कोई दबाव नहीं है, जैसा उनके माता–पिता पर नहीं था।

नौशाद अहमद की भतीजी की शादी हाल ही में हुई थी, और शादी का कार्ड छपने पर उसमें उनका नाम 'नौशाद अहमद दुबे' के रूप में छपा था। इसके बाद ही गांव के 36 मुस्लिमों ने अपने नाम में हिंदू सरनेम जोड़ने की बात साझा की, जो पूर्वजों से जुड़ने का प्रतीक बन गया है। नौशाद का मानना है कि जब और लोग अपनी पहचान से जुड़ने के लिए इस पहल को अपनाएंगे, तो इससे समाज में कोई भी विवाह संबंधी समस्याएं नहीं आएंगी। वे कहते हैं कि जब सभी लोग अपने पूर्वजों का सम्मान करेंगे और अपना नाम बदलेंगे, तो समाज में बदलाव और सहयोग बढ़ेगा।

इस बार महाकुंभ में वापस लौट भी इसी तरह की कुछ गतिविधियों होने वाली है। सनातन धर्म छोड़कर गए कई लोग सनातन धर्म में वापस आ रहे हैं जिसका संत महात्माओं ने स्वागत किया है। कई महात्माओं ने तो इसके आयोजन के लिए एक विशाल तैयारी भी कर रखी है। इससे पता चलता है कि उत्तरप्रदेश में कायाकल्प हो रखा है जो आने वाले समय में देश को एक नई दिशा देगा।

नौशाद अहमद की भतीजी की शादी हाल ही में हुई थी, और शादी का कार्ड छपने पर उसमें उनका नाम 'नौशाद अहमद दुबे' के रूप में छपा था। इसके बाद ही गांव के 36 मुस्लिमों ने अपने नाम में हिंदू सरनेम जोड़ने की बात साझा की, जो पूर्वजों से जुड़ने का प्रतीक बन गया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बस्ती

सार्वजनिक सूचना

एतदद्वारा निम्नलिखित भवन स्वामियो/क्रेतागणों तथा अन्य व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि निम्न भवनों के नाम परिवर्तन की कार्यवाही नगर पालिका परिषद बस्ती में बिचाराधीन है सम्बन्धित पक्षो को धारा 147 (2) की नोटिस भेजी जा चुकी है आपत्तिकर्ता सम्पूर्ण प्रमाण सहित विज्ञापन प्रकाशित होने के दिनांक से 30 दिन के अन्दर अपना पक्ष/आपत्ति नगर पालिका परिषद बस्ती के कार्यालय में प्रस्तुत करें अन्यथा सहनियम कार्यवाही करते हुए प्रकरण निस्तारित कर दिया जायेगा।

क्र0	प्रापर्टी आई0डी0	आवेदन संख्या	वर्तमान नाम	प्रास्तावित नाम		अधार
1	2	3	4	5		6
1	0951701008036051R/	PM5172425003354/	श्री राग केवल यादव पुत्र श्री उदय राज यादव	अभिषेक यादव	राम कंवल यादव	वारिसान
2	0951701006036875R/	PM5172425003352/	श्री परशुराम पुत्र रामनाथ	राजेन्द्र जायसवाल	परशुराम	वारिसान
3	0951701006029638R/	PM5172425003351/	श्री परशुराम पुत्र श्री रामनाथ	राजेन्द्र जायसवाल	परशुराम	वारिसान
4	0951701008031568R/	PM5172425003349/	श्रीमती सुभागी देवी पत्नी लल्लू	कृष्णावती देवी	गिरीश चन्द्र चौधरी	वारिसान
5	0951701005019560R/	PM5172425003348/	अलीरजा पुत्र मो० गफूर	जुबैदा बेगम	अली रजा	वारिसान
6	0951701004036757M/	PM5172425003346/	श्री वेद प्रकाश पुत्र राम किशुन	रजनीश सोनी	इश्वर शरन	रजि० सेल डीड
7	0951701008035300R/	PM5172425003345/	सुरेंद्र नाथ श्रीवास्तव श्री रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, विवेक कुमार श्रीवास्तव, अरविन्द कुमार श्रीवास्तव, दीपानन्द श्रीवास्तव पुत्रगण सुरेन्द्रनाथ श्रीवास्तव	नेहा सिंह	बृजेन्द्र सिंह	रजि० सेल डीड
8	0951701008035551R/	PM5172425003344/	श्री जितेन्द्र कुमार सिह पुत्र हंसराज सिंह श्रीमती मीरा सिंह पत्नी स्व० नरेन्द्र कुमार सिंह, श्री रणविजय सिंह, द्विगविजय सिंह पुत्रगण स्व० नरेन्द्र कुमार सिंह	रणजीत सिंह	जितेन्द्र कुमार सिंह	वारिसान
9	0951701008034164R/	PM5172425003343/	जितेन्द्र कुमार सिंह पुत्र हसराज सिंह, श्रीमती मीरा सिंह पत्नी स्व० नरेन्द्र कुमार सिंह, रणविजय सिंह, दिग्विजय सिंह पुत्रगण स्व० नरेन्द्र कुमार	रजीत सिंह	जितेन्द्र कुमार सिंह	वारिसान
10	0951701004027877R/	PM5172425003341/	लक्ष्मी नरायन पुत्र राम खेलावन एवं विद्या सागर पुत्र राम रतन मिश्र	विद्या सागर मिश्रा	राम रतन मिश्रा	वारिसान
11	0951701004026605R/	PM5172425003340/	श्रीमती सुमन देवी पत्नी स्व० केदार नाथ	अमन सोनी	मनोज कुमार सोनी	रजि० सेल डीड
12	0951701004027681R/	PM5172425003338/	बदामा देवी पत्नी परजन वैश्य	सुभाष चन्द्र कसौधन	ओम प्रकाश	कोर्ट आर्डर
13	0951701006028730R/	PM5172425003337/	श्री करम हुसैन सिदृद्दीकी पुत्र हाजी मोहम्मद वशीर	सर्वजीत सिंह	रघुबीर सिंह	रजि० सेल डीड
14	0951701004026157R/	PM5172425003336/	कुद्दनराम, नीरज, धीरज पुत्रगण रामचन्द्र	रीता देवी	नीरज कुमार	वारिसान
15	0951701001024491R/	PM5172425003335/	सहदेव प्रसाद पुत्र पदारथ राम	शिव कुमार	सहदेव प्रसाद	कोर्ट आर्डर
16	0951701008031236R/	PM5172425003333/	श्री शत्रुधन नाथ पुत्र राम प्रसाद	पुष्पा	प्रदीप कुमार मिश्रा	रजि० सेल डीड
17	0951701003019334R/	PM5172425003334/	वैजनाथ, नन्दलाल, जगरनाथ पुत्रगण राम रतन	जगन्नाथ प्रसाद गुप्ता	राम रतन गुप्ता	फेमिली सेटलमेंट
18	0951701004037756R/	PM5172425003331/	श्री रमेश चन्द्र पुत्र लालता प्रसाद गुप्ता	मुकेश कुमार गुप्ता	रमेश चन्द्र गुप्ता	वारिसान
19	0951701004026174R/	PM5172425003326/	मो० अली पुत्र हैदर अली	मो० नदीन सिद्दीकी	मो० अली	वारिसान
20	0951701008033239R/	PM5172425003325/	श्री ओम प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री रामदेव गुप्ता	जगदीश मद्देशिया	ओम प्रकाश गुप्ता	वारिसान
21	0951701008034406R/	PM5172425003324/	श्रीमती माधुरी पाल पत्नी श्री रामकुमार पाल	प्रभात पाल	राम कुमार पाल	वारिसान
22	0951701002026845R/	PM5172425003323/	श्रीमती निर्मल अग्रवाल पत्नी श्री विजय कुमार अग्रवाल	सिमरन गुप्ता	विजय कुमार सिमरन गुप्ता	रजि० सेल डीड
23	0951701005022202R/	PM5172425003320/	श्रीमती उषा श्रीवास्तव पत्नी विश्वनाथ प्रसाद श्रीवास्तव	विश्वनाथ प्रसाद श्रीवास्तवा	राम लखन लाल श्रीवास्तवा	वारिसान
24	0951701006029212R/	PM5172425003318/	श्रीमती शकुन्तला देवी पत्नी श्री जय बिहारी लाल श्रीवास्तव	अनूप कुमार श्रीवास्तव	जय बिहारी श्रीवास्तव	रजि० वसीयत
25	0951701006028400R/	PM5172425003314/	श्री हनुमान शरण, बाबूमुनि मिश्रा पुत्रगण लक्ष्मी नारायण	लता मिश्रा	बद्री विशाल मिश्रा	रजि० सेल डीड
26	0951701002025301R/	PM5172425003308/	ओम प्रकाश गाडिया जुज भाग, श्री विनय कुमार गुप्ता पुत्र स्व० कृष्णानन्द गुप्ता, श्री शिवम गुप्ता पुत्र श्री जगदीश प्रसाद	सिमरन गुप्ता	विजय कुमार गुप्ता	रजि० सेल डीड
27	0951701006024638R/	PM5172425003293/	श्री रत्नेश कुमार, राजेश कुमार, दिलीप कुमार पुत्रगण प्रभाकर प्रसाद	अमन श्रीवास्तव आकाश श्रीवास्तव प्रिंस श्रीवास्तव	राजेश श्रीवास्तव	वारिसान
28	0951701006025873R/	PM5172425003286/	श्रीमती हारमती चौधरी पत्नी राम प्रताप चौधरी	राम प्रताप सिंह	पुजारी सिंह	वारिसान
29	0951701007020676R/	PM5172425003284/	सईद अहमद पुत्र मो० नईम	हमीद अहमद	मोहम्मद नईम	कोर्ट आर्डर
30	0951701001025449R/	PM5172425003367/	राम उजागीर पाण्डेय पुत्र शंकर पाण्डेय	शिव सागर पाण्डेय विद्या सागर पाण्डेय दया सागर पाण्डेय	राम उजागिर पाण्डेय	वारिसान

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांक:– /न0पा0प0 बस्ती/कर अनुभाग/विज्ञप्ति/2024–25 दिनांक:–27.01.2025

पिकअप की ठोकर से दो स्कूली बच्चों की मौत

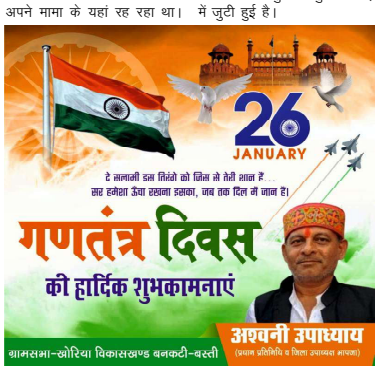

संवाददाता–कुशीनगर। तरयासुजान थाना क्षेत्र के बेदुपार में एक प्राइवेट विद्यालय से निकल सड़क पार कर रहे दो बच्चों को पीकध्अप ने ठोकर मार दी, जिससे मौके पर ही मौत हो गई, पिकध्अप चालक फरार हो गया। गांव बाघाचौर निवासी पप्पू यादव के पुत्र रविश यादव उम्र 08 व प्रिंस पुत्र प्रहलाद उम्र 09 वर्ष खेम मटिहिनिया बिहार निवासी जो अपने मामा के यहां रह रहा था। सोमवार को बेदुपार में स्थित एक प्राइवेट स्कूल में पढ़ने गए थे, छुट्टी के दौरान स्कूल से सड़क उसे पर जा रहे थे कि इस दौरान सिसवा नाहर बाजार से तरयासुजान के तरफ जा रही पिकअप ने ठोकर मार दी, जिससे मौके पर ही दोनों बच्चों की मौत हो गई। घटना सुन थोड़ी ही देर में भारी भीड़ छूट गई सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंच कार्रवाई में जुटी हुई है।

गन्ना लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली व बाइक की भिड़ंत, दो की मौत

संवाददाता–महराजगंज। सोमवार की सुबह सिसवा नगरपालिका के इंदिरा नगर वार्ड में गन्ना लदी ट्रैक्टर–ट्रॉली व बाइक के आमने–सामने की हुई भिड़ंत में बाइक सवार दो युवकों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कोठीभार पुलिस शव का पंचनामा कर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है। इंदिरा नगर वार्ड के कर्बला टोला निवासी 23 वर्षीय शहजाद व 22 वर्षीय मोनू आपस में बहनोई व साले हैं। दोनों सोमवार की सुबह बीजापार चौराहे पर बाइक से चाय पीने के लिए आए थे। लगभग साढ़े छह बजे दोनों बाइक पर सवार होकर वापस घर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोनों जैसे ही खेखडा पुल के करीब पहुंचे कि तभी चिउटहा की तरफ से आ रही गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्राली से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। जब तक लोगों की भीड़ जुटती तब तक दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंचे परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। घटना की सूचना पर सिसवा चौकी प्रभारी उमाकांत सरोज मय फोर्स पहुंचकर ट्रैक्टर चालक को हिरासत में लेकर शवों का पंचनामा बनाने में जुट गए। उमाकांत सरोज, चौकी प्रभारी ने कहा कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतकों के परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर मामले में अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

उल्लास से मनाया गया गणतंत्र का पर्व

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। 76वॉ गणतंत्र दिवस जनपद में धूमधाम से समारोह पूर्वक मनाया गया। स्कूल, कॉलेज के छात्र–छात्राओं द्वारा प्रभात फेरी निकाली गई, सभी कार्यालय एवं शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, राष्ट्रगान गाया गया तथा संविधान का संकल्प दिलाया गया। मुख्य कार्यक्रम पुलिस लाइन में आयोजित हुआ। पुलिस लाइन में मण्डलायुक्त ने परेड की सलामी लिया तथा समृद्धि का प्रतीक तिरंगे गुब्बारे को आकाश में छोड़ा गया। मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह ने कार्यालय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा राष्ट्र की एकता व अखण्डता के लिए संविधान का संकल्प दिलाया। अपने सम्बोधन में उन्होने कहा कि राजकीय बालिका इण्टर कालेज की छात्राओं द्वारा बड़ी संवेदनशीलता से संविधान के प्रस्तावना का कलात्मक वाचन अत्यन्त प्रसंशनीय है, जो राष्ट्रीय भावना को प्रेरित कर रहा है। संविधान सभा की समिति द्वारा 24 नवम्बर 1949 को संविधान की स्वीकृति प्रदान की गयी, जो 26 जनवरी 1950 से लागू हुआ। वस्तुतः उस समय के विषम परिस्थितियों में भी सुनियोजित तरीके से संविधान का निर्माण किया जाना बड़े महत्व व गौरव का विषय है। आज हम संविधान की प्रस्तावना में वर्णित मूलसंरचना के दृष्टिगत अप्रत्यक्ष रूप से हम सब आत्म अर्पित किए है।

उन्होने कहा कि यह स्वतंत्रता, समानता और न्याय की प्रासंगिकता के परिप्रेक्ष्य में काफी लचिला है, जो विभिन्न संशोधनों के माध्यम से वर्तमान में भी स्वस्थ लोकतंत्रात्मक लोक गणराज्य की कामना के अनुरूप है। इस अवसर पर अपर आयुक्त, (प्रशासन) राजीव पाण्डेय ने कहा कि हम सभी को पूर्ण कर्तव्यनिष्ठा के साथ दृढसंकल्पित होकर अपने उत्तरदायित्वों /विधिक नियमों का अनुपालन करना चाहिए। इस अवसर पर उप निदेशक पंचायत समरजीत यादव ने कहा कि आयुक्त कार्यालय में पूर्णरूपेण स्वच्छता एवं सफाई कायम रखने का हम सभी लोग संकल्प लेते है, क्योकि स्वच्छता एवं सफाई प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी है, जो स्वस्थ्य लोकतंत्र के निर्माण में परम आवश्यक है।

इस अवसर पर उप निदेशक मत्स्य जी.सी. यादव ने भी राष्ट्रीय भावना को जागृति करने वाली शायरी सुनाकर लोगों को मंत्रमुग्द्ध कर दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली छात्राओं को मण्डलायुक्त ने ज्ञानवर्धक पुस्तके भेंट कर सम्मानित किया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जीजीआईसी की शिक्षिका इन्दिरा श्रीवास्तव के नेतृत्व में विद्यालय की छात्राओ नुसरत, रीत तुलस्यान, अनामिका, अनुष्मा, नमिता तिवारी द्वारा मनमोहक देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ सहायक जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन आत्म प्रकाश बाजपेयी, उप निदेशक दिव्यांगजन एवं सशक्तिकरण अनूप सिंह, बजरंग बली पाण्डेय, संतोष कुमार पाण्डेय, सुहेल अहमद, दीपमणि शुक्ला, अनुपम चौधरी, राजेश रसाल, रंगनाथ शुक्ला सहित आयुक्त कार्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। सामूहिक रूप में राष्ट्रगान गाया गया तथा संविधान में उल्लिखित संकल्प को पढ़ा गया। उन्होने सभाकक्ष में गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि देश की प्रभुता हर एक नागरिक से होती है, हम सब से मिलकर राष्ट्र बनता है। देश के हित में कार्य करें। उन्होने कहा कि हमारे संविधान का 75 वर्ष पूर्ण हो चुका है और यह 26 जनवरी 1950 को लागू किया गया। उन्होने आजादी की लड़ाई में अपने प्राण निछावर करने वाले अमर शहीदों को याद किया तथा उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए संविधान के महत्व के बारे में विस्तार से चर्चा किया। इस अवसर पर गॉधी कला भवन परिसर में पहुँचकर महात्मा गॉधी जी की प्रतिमा पर उन्होने माल्यार्पण किया।

उन्होने कहा कि हमें सद्भावना के पथ पर चलना चाहिए और राष्ट्रहित में कार्य करना चाहिए, हमें अपने देश के प्रति प्रेम व लगन की भावना रखना चाहिए तथा अपने बच्चों को अच्छे संस्कार के साथ लोकहित के बारे में बताना चाहिए। इस अवसर पर उन्होने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति एक अच्छा कार्य करने का संकल्प लें। उन्होने कहा कि हम समय के अनुरूप संविधान सम्मत अपने आपको ढालें, स्वयं की कमियों को दूर करें, दूसरो में गलतियों को ना ढूढ़े अपितु उसके अच्छे गुणों से सीख लें। स्वयं स्वमूल्याकंन करें, आत्म सुधार ही लोकतंत्रात्मक गणराज्य का मूलमंत्र है। इस अवसर पर राजकीय कन्या इण्टर कालेज की छात्राओं ने राष्ट्रगीत प्रस्तुत किया। इन छात्राओं को जिलाधिकारी ने उत्साहित व पुरस्कृत किया।

अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान ने कहा कि संविधान को बनाने में कई वर्ष लगें। देश, शासन व प्रशासन इसी पर चलता है। उन्होने कहा कि हमें अपने राष्ट्र के प्रति समर्पित रहना चाहिए। अन्तिम व्यक्ति को मुख्य धारा से जोड़ कर सबल बनाना है। हमें अपने संविधान के भावना को समझना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन राजेश रंजन ने किया। कार्यक्रम में मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती, उप जिलाधिकारी मनोज प्रकाश, रश्मि यादव ने अपने–अपने विचार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सरदार जगवीर सिंह, रमाशंकर पटेल, जीतेन्द्र श्रीवास्तव, अशोक कुमार मिश्र, चिन्तामणि, शैलजा, अफजल हुसैन, गिरिजेश पाल, रितु पाल, रेनू बाला, साजमा खातून, पुष्पलता मिश्र, धनन्जय सिंह, कमलेश मिश्र, हरिशंकर, रामविलास कसौधन सहित कलेक्ट्रेट के अधिकारी–कर्मचारी व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस सुनहरा अवसर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती, । कायस्थ सेवा ट्रस्ट के जिलाध्यक्ष मुकेश कुमार श्रीवास्तव ने गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर देशवासियों को बधाई देते हुए रौता स्थित पेट्रोल पंप के सामने ध्वजारोहण किया। इस दौरान उन्होने अपने सम्बोधन में कहा है कि गणतंत्र दिवस हमारे देश के इतिहास में एक सुनहरा अवसर है जो हमें हमारे अधिकार और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करता है। ये दिन हमें एकजुट होकर काम करने और देश के विकास में योगदान के लिए प्रेरित करता है। आजादी अक्षुण्य बनी रहे इसके लिये हर व्यक्ति को त्याग और बलिदान को तैयार रहना चाहिये। ध्वजारोहण के दौरान कमलेश श्रीवास्तव, दीपक शर्मा, राजू कुरैशी, पप्पू, शुभम कश्यप, पंकज नंदा, हरि सिंह, अमित श्रीवास्तव, विनय चौधरी, जलाल अहमद, दिलीप वर्मा, मोहित श्रीवास्तव, शिवम् श्रीवास्तव, साहिल श्रीवास्तव, रामजीत प्रजापति, सनी सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

हत्या–गैंगस्टर के आरोपी करोड़ों की संपति कुर्क

संवाददाता–गोण्डा। हत्या और गैंगस्टर मामले के आरोपी बालक राम तिवारी की करोड़ों रुपए की संपति सोमवार को पुलिस–प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा कुर्क किया गया। सोमवार की सुबह एसडीएम अवनीश त्रिपाठी, क्षेत्राधिकारी आरके सिंह, प्रभारी निरीक्षक धानेपुर राकेश कुमार राय के साथ कोतवाली इटियाथोक की पुलिस फोर्स हत्या और गैंगस्टर के आरोपी बालक राम तिवारी निवासी दरियापुर हरदोपट्टी के यहां पहुंची।

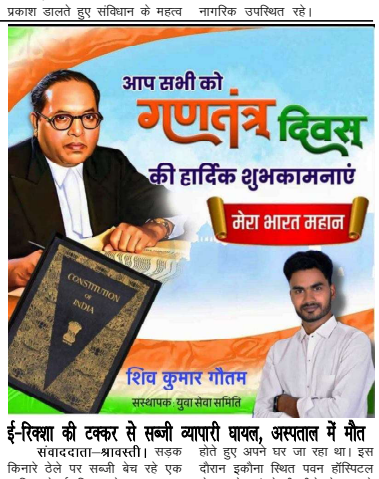

ई-रिक्शा की टक्कर से सब्जी व्यापारी घायल, अस्पताल में मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। सड़क किनारे ठेले पर सब्जी बेच रहे एक व्यक्ति को ई–रिक्शा ने टक्कर मार दी। हादसे में व्यक्ति गंभीररूप से घायल हो गया जिसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। इकौना थाना क्षेत्र के कस्बा इकौना स्थित मोहल्ला पटेल नगर निवासी बुधराम साहू (45) वर्ष पुत्र बेचन लाल साहू सब्जी विक्रेता था। रविवार देर शाम को वह सब्जी बेचने के बाद ठेला लेकर भिनगा बाईपास महादा गांव से दशहरा मैदान होते हुए अपने घर जा रहा था। इस दौरान इकौना स्थित पवन हॉस्पिटल के सामने पहुंचते ही पीछे से आ रहे ई–रिक्शा चालक ने टक्कर मार दी। हादसे में सब्जी विक्रेता बुध राम गंभीररूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने घायल को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। साथ ही परिजनों को सूचित किया। वहीं घायल की हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया। परिजन घायल को लेकर जिला अस्पताल भिनगा पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

भक्तों की भीड़ देखते हुए सुबह पांच से रात के 11 बजे तक खुला राम मंदिर, चार से पांच घंटे में हुए दर्शन

संवाददाता–अयोध्या। महाकुंभ में स्नान के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या की ओर रुख कर रहे हैं। इसके चलते अयोध्या में भीड़ का दबाव अधिक बढ़ गया है। भीड़ नियंत्रण के लिए राम मंदिर के गेट नंबर तीन से श्रद्धालुओं की निकासी की जा रही है। सोमवार को राम मंदिर में सुबह पांच बजे खुला तो रात 11 बजे तक दर्शन चलता रहा।

राम मंदिर में दर्शन की कतार पहले ही बढ़ा दी गई है। वहीं भीड़ में कोई दुर्घटना न हो इसलिए निकासी मार्ग बदल दिया गया है। अंगद टीला से निकासी करने पर श्रद्धालु राम जन्मभूमि पथ के बगल की निकल रहे थे, इससे भीड़ का दबाव बढ़ जा रहा था। अब इनकी निकासी गेट नंबर तीन से कर दी गई है। भीड़ की स्थिति यह है कि श्रद्धालुओं के सामान, जूता–चप्पल जमा करने के लिए मंदिर ट्रस्ट की ओर से बनाए गए लॉकर कम पड़े गए हैं। राम मंदिर में एक श्रद्धालु को दर्शन करने में दो से ढाई घंटे लग रहे हैं।

मंदिर में वीआईपी दर्शन के लिए सुगम व विशिष्ट पास बनते हैं। सुगम पास धारक राम जन्मभूमि पथ से ही दर्शन के लिए प्रवेश करते हैं, लेकिन भीड़ के चलते अब सुगम व विशिष्ट पास धारक रंगमहल बैरियर से राम मंदिर में प्रवेश करेंगे और निकासी भी इसी तरह से होगी। वाहन से आने वाले श्रद्धालुओं को यूनियन बैंक की ओर से प्रवेश मिलेगा। भीड़ अधिक होने के चलते दो–तीन घंटे में ही रोजाना पास के स्लॉट फुल हो जा रहे हैं।

बलरामाचारी दुबे, एसपी सुरक्षा ने कहा कि परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। एनएसजी कमांडों, सीआरपीएफ सहित एसएसएफ के जवान मोर्चा संभाल रहे हैं। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। भीड़ नियंत्रण के लिए श्रद्धालुओं की निकासी अंगद टीला के बजाय गेट नंबर तीन से की जा रही है। श्रद्धालुओं से अपील है कि रामलला के दर्शन करने खाली हाथ आएं, कोई सामान जैसे मोबाइल, बैग आदि लेकर न आएं, दर्शन में सुविधा होगी

प्रयागराज में महाकुंभ स्नान के बाद श्रद्धालुओं का रेला उमड़ रहा है। रविवार से ही समूची रामनगरी श्रद्धालुओं से पटी है। भीड़ ने रामनगरी समेत जिले भर की यातायात व्यवस्था ध्वस्त कर दी है। हाईवे व प्रमुख मार्गों समेत जुड़वा शहर के गली–कूचे तक भीषण जाम है, जिसे व्यवस्थित करने में संसाधन भी कम पड़ रहे हैं और पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के पसीने छूट रहे हैं। वीकेंड के समय रामनगरी में यूं तो हर समय श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है, लेकिन रविवार को पिछले सारे रिकॉर्ड मानो टूट गए। सुल्तानपुर हाईवे से श्रद्धालुओं का रेला उमड़ने लगा तो इसका असर दोपहर तक पूरे जिले में दिखने लगा। सुल्तानपुर हाईवे से नाका अंडरपास तक कई किलोमीटर तक जाम लग गया। किसी तरह लोग अयोध्या–गोरखपुर हाईवे पर पहुंचे, लेकिन यहां भी जाम से छुटकारा नहीं मिला।

अयोध्या में महिला समेत दो श्रद्धालुओं की मौत, महाकुंभ से रामलला का दर्शन करने आए थे

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा है। इससे प्रशासन की चुनौतियां भी बढ़ गई हैं। सोमवार को दो भक्तों की मौत हो गई। एक महिला श्रद्धालु की मौत हुई है। मौत का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है। मृतक महिला सोनीपत हरियाणा की रहने वाली है। वहीं, एक 65 वर्षीय पुरुष श्रद्धालु की भी मौत हो गई। श्रीराम अस्पताल में दोनों को मृत घोषित कर दिया गया है। दोनों श्रद्धालु महाकुंभ से अयोध्या पहुंचे थे। बता दें कि महाकुंभ के दौरान अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या काफी बढ़ गई है और नगर में आस्था का सैलाब लगा रहता है।

राम मंदिर से जुड़े पांच लोगों को मिला पद्म सम्मान, साध्वी ऋतंभरा को पद्म भूषण व अन्य को पद्मश्री

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर से जुड़ी पांच विभूतियों को इस बार पद्म सम्मान मिला है। इसमें श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकालने वाले पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रविड़, मंदिर के आर्किटेक्ट चंद्रकांत सोमपुरा, मंदिर आंदोलन में शामिल रहीं साध्वी ऋतंभरा, न्यायालय में कानूनी सहयोगी रहे वकील सीएस वैद्यनाथन व चित्रकार वासुदेव कामत शामिल हैं। सोमपुरा को वास्तुकला, द्रविड़ को साहित्य शिक्षा और साध्वी ऋतंभरा को सामाजिक कार्य, वैद्यनाथन को पब्लिक अफेयर्स और वासुदेव कामत को कला क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म सम्मान के लिए चयनित किया गया है। साध्वी ऋतंभरा को पद्म भूषण जबकि अन्य चार लोगों को पद्मश्री से विभूषित करने का निर्णय लिया गया है। चंद्रकांत सोमपुरा ने ही राम मंदिर की डिजाइन तैयार की है। उसी अनुसार मंदिर का निर्माण हो रहा है। वहीं गणेश्वर द्रविड़ ने ही राम मंदिर के भूमि पूजन व रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का मुहूर्त निकाला था। साध्वी ऋतंभरा 90 के दशक में राम मंदिर आंदोलन का अहम किरदार रहीं। चित्रकार वासुदेव कामत ने ही रामलला की मूर्ति की ड्राइंग पर मुहर लगाई थी साथ ही मंदिर के परकोटे में बन रहे भित्तिचित्र की ड्राइंग भी उन्होंने ही तैयार की है। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी महंत दिनेंद्र दास, डॉ० अनिल मिश्र, बिमलेंद्र मोहन मिश्र समेत ट्रस्ट के अन्य सदस्यों ने पांचों विभूतियों को सम्मान मिलने पर हर्ष व्यक्त किया है।

अदालती नोटिस

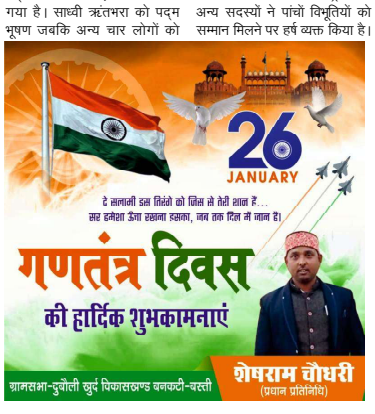

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
प्रकीर्णवाद सं0–195/2024
अदालत– श्रीमान जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती

गुरूप्रसाद
बनाम
सरोजनी आदि

1. सरोजनी देवी उम्र लगभग 50 वर्ष पत्नी रघुनन्दन साकिन पोखरा तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 5. श्याम पियारी उम्र लगभग 62 वर्ष पत्नी जनार्दन साकिन नकटीदेई तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 7. प्रदीप कुमार उम्र लगभग 50 वर्ष बाबूराम साकिन नकटीदेई बुजुर्ग तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
8. संध्या विशाल उम्र लगभग 40 वर्ष पत्नी जितेन्द्र कुमार मौर्या साकिन लखनीपुर तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
9. श्रीमती प्रियंका विश्वकर्मा उम्र लगभग 45 वर्ष पत्नी मनोज कुमार विश्वकर्मा साकिन खोय पोखर तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 10. मनीष कुमार उम्र 55 वर्ष पुत्र झिनकान महादेवा तप्पा रतनपुर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 11. श्रीमती वेदमती उम्र लगभग 43 वर्ष पत्नी लक्ष्मन यादव उर्फ लक्ष्मण यादव साकिन पोखरा बाजार तप्पा नवाई परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 12. श्रीमती मीरा देवी उम्र लगभग 42 वर्ष पत्नी घनश्याम साकिन रानीपुर पोस्ट दयालपुर तप्पा खुरियार परगना नगर पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती 13. लालचन्द्र यादव उम्र लगभग 54 वर्ष पुत्र रामफेर साकिन व पोस्ट जीतीपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 12–02–2025

अपील बनराजी अदालत मुकाम मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 12 महीना 02 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
मुतफरका नं0–29/2024
वाद सं0–147/2015

ओम प्रकाश
बनाम
चन्द्र प्रकाश आदि

1. चन्द्र प्रकाश 2. हरी प्रकाश पुत्रगण रामपियारे निवासीगण सहवाजपुर तप्पा अतरोह परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 24–02–2025

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 24 माह 02 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं. 210/2024
श्रीमती विद्या देवी –सायल
1. श्रीमती विद्या देवी उम्र लगभग 55 वर्ष पत्नी जैसराम साकिन हरिगांव तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 03–02–2025

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (सी0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 03–02–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी अकबर अली पुत्र स्वर्गीय श्री मोहम्मद हनीफ ग्राम– बेलघाट थाना– पैकोलिया जनपद बस्ती (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे दो पुत्र मोहम्मद वसीम और मोहम्मद करीम हैं। मेरा पुत्र मोहम्मद वसीम परिवार के कहने सुनने में नहीं है। उसका चाल चलन ठीक नहीं है। पहले पत्नी के रहते हुये वह कही से दूसरी लड़की ले आया है। वह आये दिन परिवार में कलह किया करता है। समझाने पर भी नहीं मानता। इसे देखते हुये मैं उसे 27–01–2025 से अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन, वाद विवाद आदि के लिये वे स्वयं जिम्मेदार होगा। अब उसका मेरे परिवार से कोई सम्बन्ध नहीं है। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

पीपीगंज में ननिहाल में आई किशोरी से दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज

संवाददाता–गोरखपुर। पीपीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में ननिहाल आई 16 वर्षीय किशोरी घर से बाहर पानी लेने निकली तो पड़ोस के एक किशोर ने उसे कमरे में ले जाकर दुष्कर्म कर दिया। इस मामले में पीड़ित किशोरी की मां की तहरीर पर पीपीगंज पुलिस ने आरोपी किशोर के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर करते हुए जांच शुरू कर दी है। महराजगंज के पनियरा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव की 16 वर्षीय किशोरी अपने मामा के घर पीपीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत एक गांव में आई थी कि उसी के मामा के पड़ोस के किशोर ने रविवार की देर शाम को किशोरी को जबरन कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया और फरार हो गया। जबकि पीपीगंज पुलिस आरोपी किशोर की तलाश में जुटी हुई है। इस मामले में पीड़ित किशोरी की मां की तहरीर पर पीपीगंज पुलिस ने आरोपी 17 वर्षीय किशोर के विरुद्ध पास्को एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करते हुए किशोरी को चिकित्सकीय परीक्षण के लिए भेज दिया है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 173/2024
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

रामसूरत
बनाम
विनोद चौधरी आदि

1. विनोद चौधरी उम्र 45 वर्ष रामकरन 2. ओरीलाल उम्र 55 वर्ष 3. फूलचन्द्र उम्र 50 वर्ष पुत्रगण बाढू 4. देवनाथ उम्र 70 वर्ष पुत्र श्रीराम साकिनान मौजा कुरियार तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 28–03–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 03 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

इकबाल अंसारी ने कैमरे के सामने भाजपा की जीत की दुआ की

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या विवाद में बाबरी के पक्षकार रहे इकबाल अंसारी ने मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा की जीत की दुआ की। उन्होंने कहा कि अयोध्या में विकास हो रहा है। यहां सड़कें हैं। लोगों को रोजगार मिल रहा है। नगर की सूरत बदल रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को सजाया संवारा है। अयोध्या की पहचान योगी जी से है। उन्होंने सभी मुसलमानों से मिल्कीपुर उपचुनाव में भाजपा को वोट करने की अपील की है। उन्होंने कैमरे के सामने भाजपा की जीत की दुआ की। कहा कि अयोध्या विवाद को पीछे छोड़ चुकी है और अब यहां विकास हो रहा है। अगर मिल्कीपुर में योगी जी की जीत हुई तो मिल्कीपुर में भी इसी तरह विकास होगा। बता दें कि मिल्कीपुर में 5 फरवरी को मतदान होगा जबकि 8 फरवरी को परिणाम की घोषणा होगी। भाजपा ने चंद्रभानु पासवान को उम्मीदवार बनाया है जबकि सपा ने सांसद अवधेश प्रसाद के पुत्र अजीत प्रसाद को प्रत्याशी बनाया है।

डिप्टी सीएम केशव और सपा सुप्रीमो अखिलेश करेंगे जनसभा, डिंपल यादव का होगा रोड शो

संवाददाता–अयोध्या। जैसे–जैसे मिल्कीपुर उपचुनाव के मतदान का दिन नजदीक आता जा रहा है, वैसे–वैसे सपा और भाजपा के स्टार प्रचारकों की जनसभाएं लगती जा रही हैं। दोनों प्रमुख पार्टियों सपा और भाजपा ने अपनी–अपनी जीत का दावा किया है। 28 जनवरी को डिप्टी सीएम केशव मौर्य हैरिंगटनगंज के चिखड़ी गांव में जनसभा करेंगे तो 30 जनवरी को डिंपल यादव रोड शो करेंगी। वहीं, प्रचार के अंतिम दिन तीन फरवरी को सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव जनसभा करेंगे। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल ने बताया कि 28 जनवरी को डिप्टी सीएम केशव मौर्य जनसभा करेंगे। उन्होंने दावा किया कि भाजपा प्रत्याशी ऐतिहासिक अंतर से चुनाव जीतेंगे और सपा की जमानत जब्त होगी। सपा प्रत्याशी अजीत प्रसाद ने योगी की रैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनको सुनने के लिए अन्य जनपदों से जनता बुलाई गई थी। मिल्कीपुर की जनता केवल साइकिल को देख रही है। 30 जनवरी को डिंपल यादव रोड शो करेंगी। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तीन फरवरी को सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0– 358/2018
न्यायालय–श्रीमान अष्टम् अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

संतोष कुमार
बनाम
भोला आदि

1. अवध विहारी उपाध्याय पुत्र कष्णदेव उपाध्याय 2. बुद्धिनाथ उपाध्याय पुत्र ओम प्रकाश उपाध्याय साकिनान मौजा खजुरिया तप्पा कड़र परगना बस्ती पूरव तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 17–02–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 02 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com